स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १०१ वि.सं. २०८३ कार्तिक १५ गते अँटवर थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 1 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

हिमशिखर बहु-उद्देश्यीय सहकारीके १८औं वार्षिक साधारणसभा

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १४ कार्तिक । धनगढी उपमहानगरपालिका-५ तारानगरमे रहल हिम शिखर बहु-उद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेडके १८औं वार्षिक साधारणसभा शनिच्चरके रोज धनगढीमे सम्पन्न हुइल बा ।

सस्थाके अध्यक्ष रोशन सिंहके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे उहाँ शेयर सदस्यहुकनके सहयोग ओ सल्लाह सुझावसे संस्था यहाँसम पुगल बटैलै । संस्था अपन उद्देश्य ओ लक्ष्यके साथ बहुल कहटी शेयर सदस्यहुकनके बचतहे पारदर्शि रुपमे धारल बटैलै ।

हिमशिखर बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेड धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नं. ५, तारानगरमा गौरीगंगा नगरपालिका, कैलारी गाउँपालिका ओ गोदावरी नगरपालिकासम विस्तारित रहल बा । अबस्थित बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था रहल बटैलै । यी संस्थाके कार्यक्षेत्र धनगढी उपमहानगरपालिका, संस्थास अपन स्थापना कालसे सदस्यके आर्थिक, सामाजिक तथा व्यावसायिक विकासमे योगदान पुगैना उद्देश्यके साथ वित्तीय तथा गैरवित्तीय सेवाहरू प्रदान करटी आइल बटैलै । सहकारीके मूल मर्म, मूल्य, मान्यता ओ सिद्धान्तहे आत्मसात् करटी सदस्यहुकनके आवश्यकता, चाहना ओ हितहे केन्द्रमे धारके सेवा प्रवाह कैना हमार प्रमुख प्राथमिकता रहटी आइल बटैलै ।

कार्यक्रममे पूर्व अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद भण्डारी, सल्लाहकार संयोजक पदमसिंह कुवँर, सदस्य दिर्घराज जोशी, शेयर सदस्यहुक्के शेर सिंह ऐडी ओ धर्मराज उपाध्याय मन्तव्य व्यक्त करल रहिट । कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य उपाध्यक्ष विमल जोशी ओ संचालन बसन्ता भण्डारी करल रहिट ।

संस्थाके सदस्यता वृद्धि २०८३ साल कुवाँर ३१ गते सममे संस्थाके कुल सदस्य संख्या ५७५४ जाने रहल बटै । जेम्ने महिला सदस्य संख्या २०५२ ओ पुरुष सदस्य संख्या ३७०२ रहल बटै ।

संस्थाके शेयर पूँजीमे रु ४५ लाख ५३ हजार ९५८ वृद्धि हुके रु ५ करोड ११ लाख ८८ हजार २५८ पुगल बा । कुल सम्पत्तिके अनुपातमे ५.२६% कायम हुई गैल बा ।

संस्थाके टमान खाता मार्फत आ.व.२०८२/०८३ मे रु७० करोड २९ लाख ४६ हजार ८२४ बचत रहल बा । ऋण लगानीमे आ.व.२०८१/०८२ मे ऋण लगानी ६३ करोड ,२ लाख ६६ हजार ८११ रहलमे आ.व.२०८२/०८३ मे थप ऋण लगानी रु ४ करोड ७० लाख ६० हजार १९४ से वृद्धि हुके ऋण लगानी ६७ करोड ७३ लाख २७ हजार ५ पुगल बा । यिहे विच सहकारीसे टमान व्यक्तित्वहुकनहे सम्मान करले बा ।

दशरथचन्द विश्वविद्यालयमे चिकित्सा शिक्षा अध्यापनके तयारी

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १४ कार्तिक । अपन शिक्षण अस्पताल ओ अर्बौके पूर्वाधारसहित कैलालीके गेटास्थित शहीद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा अध्यापनके तयारीमे जुटल बा ।

एमबीबीएसके ५० सहित चार शैक्षिक कार्यक्रममे ९० सिट स्वीकृत हुइलपाछे विश्वविद्यालयसे पठनपाठन सञ्चालन कैना अपन पूर्ण रूपमे तयार रहल जनैले बा ।

चिकित्सा शिक्षा आयोगसे विश्वविद्यालयहे एमबीबीएसके लग ५०, बीएस्सी नर्सिङके लग २०, मेडिकल ल्याबोरेटरी टेक्नोलोजीके लग १० ओ अप्टोमेट्रीके लग १० सिट स्वीकृत करल रहे ।

मने, शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके लग आवश्यक पूर्वाधार, जनशक्ति ओ अस्पतालके क्षमताबारे प्रश्न उठटीरहलके बेला विश्वविद्यालय प्रशासन भर सक्कु तयारी मापदण्डअनुसार हुइटीरहलके स्पष्ट पारल बा ।

विश्वविद्यालयके उपकुलपति प्रा.डा. सुनिलकुमार जोशीसे आयोगसे कानुनी प्रक्रिया, पूर्वाधार, जनशक्ति ओ व्यावहारिक अभ्यासके सुनिश्चितताके आधारमे सिट निर्धारण करल पठनपाठन सञ्चालनमे अन्योल नैरहल बटैलै ।

उहाँके अनुसार पाठ्यक्रम, दक्ष जनशक्ति, प्रयोगशाला, आवश्यक उपकरण ओ विद्यार्थीके व्यावहारिक अभ्यासके लग संस्थागत तयारी हुइटीरहल बा । विद्यार्थी व्यवस्थापन, अस्पतालके शय्या क्षमता ओ छात्रवृत्तिके लग समेत आवश्यक स्रोत सुनिश्चित करल विश्वविद्यालयके दाबी बा । विश्वविद्यालयसे शिक्षण अस्पतालमे हाल ३२५ शय्या सञ्चालन क्षमतामे रहलके ओ ६२२ शय्या व्यवस्थापन करल जनैले बा । ओस्टेक, अस्पतालके पूर्वाधार क्षमता ९२० शय्यासम विस्तार करे सेकल अवस्थामे रहलके विश्वविद्यालयके कहाइ बा ।

विश्वविद्यालयके रजिस्ट्रार डा. भीमबहादुर चन्दके अनुसार विद्यार्थीहे व्यावहारिक अभ्यासके अवसर विस्तार कैना विश्वविद्यालयसे सेती प्रादेशिक अस्पताल, महाकाली अस्पताल ओ लम्कीचुहा अस्पतालसँगे समेत सहकार्य करल बा ।

यिहीसे विद्यार्थीके सिकाइसँगे उ अस्पतालके सेवा क्षमता विस्तारमेफे सहयोग पुगल विश्वविद्यालयके अपेक्षा बा । रजिस्ट्रार चन्दसे पछिल्का पाँच वर्षमे सञ्चालनमे आइल अन्य स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठानके सुरुवाती अवस्थासँगे तुलना करके गेटा विश्वविद्यालयके तयारी खुब आघे रहल दाबी करलै ।

तीन दशक लम्बा प्रतीक्षापाछे स्थापना हुइलके राष्ट्रिय गौरवके विश्वविद्यालयहे आघे बहुल सघीय, प्रदेश ओ स्थानीय सरकार ओ नागरिकके साथ रहल उल्लेख करटी उपकुलपति जोशीसे शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन कैना विश्वविद्यालय सक्षम रहल दाबी करलै ।

इ वर्ष स्वीकृत ९० सिटमे पठनपाठन सुरु हुइना तयारी हुइलफे विश्वविद्यालयसंगे एकचो दुई हजारसे ढेर विद्यार्थीहे राखल पठनपाठन कैना पूर्वाधार रहल बटैलै बा ।

वन क्षेत्रके समस्या समाधानके लग प्रदेश सरकारके ध्यानाकर्षण

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १४ कार्तिक । सुदूरपश्चिममे कार्यरत टमान वन उपभोक्ता समूहसे वन क्षेत्रमे डेखल समस्या समाधानके लग प्रदेश सरकारके ध्यानाकर्षण करल बटै ।

उ समूहके सुदूरपश्चिम प्रदेशस्तरीय आन्दोलन परिचालन समन्वय समितिके पदाधिकारीसे शुकके मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसे २४बुँदे ज्ञापनपत्र बुझाइटी सामुदायिक ओ साझेदारी वनके व्यवस्थापन, वन पैदावार उपयोग ओ राजस्व बाँडफाँटसम्बन्धी समस्या समाधान कैना प्रदेश सरकारके ध्यानाकर्षण करल हो ।

ध्यानाकर्षणपत्रमे वनसम्बन्धी विद्यमान कानुन संशोधन करके उपभोक्ताके अधिकार सुनिश्चित कैना माग करल बा । समितिसे मुख्यमन्त्री ओ मन्त्रिपरिषद्के कार्यालय, उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरण मन्त्रालयलगायत सरोकार हुइलहुकनहे एकरआघे कैचो ध्यानाकर्षण करलफे माग सम्बोधन नैहुइल कहटी पुनः प्रदेश सरकारके ध्यानाकर्षण करल साझेदारी वन उपभोक्ता महासङ्घ, नेपालके केन्द्रीय महासचिव यादवप्रसाद भण्डारी जानकारी डेलै ।

ज्ञापनपत्रमे वन क्षेत्रभिटर रहलके तालतलैया ओ अन्य प्राकृतिक स्रोतके व्यवस्थापनमे स्थानीय समुदायके अधिकार सुनिश्चित कैना, सामुदायिक वनके स्वीकृत कार्ययोजना कार्यान्वयनमे स्थानीय तहसे हुइना अनावश्यक हस्तक्षेप रोक्ना ओ वन अतिक्रमण हुइल क्षेत्रमे राजनीतिक संरक्षण अन्त्य कैनाफे आग्रह करल बा ।

ओस्टेक, सरकारी तथा गैरसरकारी भवन निर्माणमे स्वदेशी काठके प्रयोग अनिवार्य कैना, काठ ओ गैरकाष्ठ वन पैदावारके आन्तरिक खपत बहुल, वन उपभोक्ता समूहके क्षमता विकास ओ वन व्यवस्थापनमे आवश्यक बजेट विनियोजन कैना माग करल बा । ओस्टेक करके लडिया ओ चुरे क्षेत्रमे हुइना ढुङ्गा, गिट्टी ओ बालुवा उत्खननके वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन (ईआइए) ओ प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण (आइइई) प्रभावकारी बनैना ओ वन क्षेत्रमे आधारित उद्योग सञ्चालनके लग अनुदान ओ सहुलियत ऋणके व्यवस्था कैना माग करल बा ।

समितिसे वन ऐन, नियमावली ओ वन व्यवस्थापनसम्बन्धी नीतिगत व्यवस्था कार्यान्वयनमे एकरूपता ल्यान्न सङ्घ, प्रदेश ओ स्थानीय सर कारबिच समन्वय आवश्यक रहल जनैले बा । ज्ञापनपत्रमे वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन उपभोक्ता राष्ट्रिय महासङ्घ नेपाल, सामुदायिक वन उपभोक्ता महासङ्घ नेपाल (फेकोफन), सामुदायिक वन उपभोक्ता राष्ट्रिय महासङ्घ, नेपाललगायत वन उपभोक्ता समूह सम्बद्ध टमान संस्थाके प्रतिनिधिसे हस्ताक्षर करल बटै ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

जलवायु वित्तमे पहुँच

विचार
रमेश दहाल

नेपालसे संयुक्त राष्ट्रसंघीय जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी हानिनोक्सानी सम्बोधन कोषसे झन्डे तीन अर्ब (२० मिलियन अमेरिकी डलर) बराबरके ससर्त अनुदान प्राप्त करल बा । कोषसे प्रदान करल यी अनुदानसे जलवायु परिवर्तनके जोखिमके लाग नेपालहे क्षतिपूर्ति प्रदान करे परठ कना सन्देश गैल बा मने यी रकम नेपालसे जलवायु परिवर्तनके क्षेत्रमे हासिल करे चाहल उपलब्धिसहितके योजना स्वीकृत हुइलपाछे किल प्राप्त करल बा ।

नेपाल अमेरिकाके न्युयोर्कमे आयोजित युएनके ८१ औँ महासभाके अवसरमे जलवायु न्यायके लाग अपन आवाज फेन उठाइल । नेपाल हरेक वर्ष जलवायुजन्य विपत्के सामना करटि बा । जलवायुजन्य विपतके कारण बर्सेनि हजारौँके ज्यान गैल बा कनेसे टमान भौतिक संरचना नष्ट हुइल बा । वर्तमान कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमे जलवायुजन्य विपत्से नकारात्मक भूमिका खेलल बा । जबकि यी विपत् नित्रैना नेपाल जिम्मेवार फेन नैहो । यी तथ्य विश्व जगत्मे पुगैना नेपाल सफल हुइल बा । यी और महत्वपूर्ण उपलब्धि हो ।

जलवायु परिवर्तन नेपालके लाग वातावरणीय, सामाजिक ओ आर्थिक चुनौती होरु। नेपाल जलवायु परिवर्तनके दृष्टिकोणसे उच्च जोखिममे रहल देश हो । सन् २०२४ के जलवायु परिवर्तनप्रतिके जोखिम ओ अनुकूलन क्षमताके सूचकांकमे १९२ देशमध्ये नेपाल १३७ औँ स्थानमे बा । उ सूचकांकसे नेपालके उच्च जलवायु संवेदनशीलता ओ तुलनात्मक रूपमे कम तयारी देखाइठ। टबेमारे छोटओट उपलब्धिके आत्मारतिमे रमैनाके साटो नेपाल जलवायु परिवर्तन ओ यकर जोखिमहे और वैज्ञानिक बनैना जरुरी बा ।

जलवायु न्यायसे विशेष कैके निष्पक्षता, अधिकार, जिम्मेवारी, लागत तथा लाभके वितरण ओ जोखिममे रहल व्यक्ति तथा समुदायके संरक्षणसँग सम्बन्ध रहठ । यकर मूल अवधारणा समानता, मानव अधिकार ओ सहभागितामे निहित बा । जवाफदेहिता, अनुकूलन, वित्त, प्रविधि, उत्थानशीलता तथा क्षति ओ नोक्सानी यी सब जलवायु न्यायके महत्वपूर्ण आयाम हो ।

नेपालके राष्ट्रिय अनुकूलन योजनाके लाग तयार करल जलवायु परिदृश्य अनुसार सन् २०१६–२०४५ के अवधिमे नेपालके औसत तापक्रम सन् १९८१–२०१० के आधार अवधिके तुलनामे करिब ०.९२ डिग्री सेल्सियससे १.०७ डिग्री सेल्सियससम बहना प्रक्षेपण बा । यिहिनसे अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायुजन्य जोखिम बहे सेकि । विश्व बैंकके नेपालके जलवायु परिवर्तन तथा विकाससम्बन्धी राष्ट्रिय प्रतिवेदन अनुसार अत्यधिक गर्मीके कारण ४० लाखसे ढेर नेपालीके स्वास्थ्य जोखिममे बा । बैंकके अनुसार करिब २५ लाख नेपाली एक सय वर्षमे एक चो दोहोरे सेक्ना नदीजन्य बाढ (जैसिन भोटेकोशी बाढ) के जोखिममे बा । सन् २००० के तुलनामे काठमाडौँ ओ पोखरा उपत्यके तथा दक्षिणी तराईके निर्मित क्षेत्र करिब ६२ प्रतिशत बहल बा ।

भूउपयोगमे आइल अइसिन तीव्र परिवर्तनसे असामान्य बाढ तथा जलवायुजन्य जोखिम बह्रैना बैंकसे उल्लेख करल बा। ओस्टेक सन् २०४१–२०६० के प्रक्षेपणसे फेन छोट अवधिके अत्यधिक वर्षा ओ जलवायुजन्य प्रभाव तीव्र रूपमे बहना देखाइठ । टबेमारे नेपालसे स्पष्ट सन्देश डेना जरुरी बा कि हम्रे फेन भोटेकोशी वा थामे वा अस्टे कौनो विपत्ति नैचाहठि, ओम्ने हम्रे आन्तरिकसे बाह्य दोष हाबी बा ।

> नेपाल अमेरिकाके न्युयोर्कमे आयोजित युएनके ८१ औँ महासभाके अवसरमे जलवायु न्यायके लाग अपन आवाज फेन उठाइल। नेपाल हरेक वर्ष जलवायुजन्य विपत्के सामना करटि बा। जलवायुजन्य विपतके कारण बर्सेनि हजारौँके ज्यान गैल बा कनेसे टमान भौतिक संरचना नष्ट हुइल बा। वर्तमान कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमे जलवायुजन्य विपत्से नकारात्मक भूमिका खेलल बा। जबकि यी विपत् नित्रैना नेपाल जिम्मेवार फेन नैहो। यी तथ्य विश्व जगत्मे पुगैना नेपाल सफल हुइल बा। यी और महत्वपूर्ण उपलब्धि हो। जलवायु परिवर्तन नेपालके लाग वातावरणीय, सामाजिक ओ आर्थिक चुनौती होरु। नेपाल जलवायु परिवर्तनके दृष्टिकोणसे उच्च जोखिममे रहल देश हो। सन् २०२४ के जलवायु परिवर्तनप्रतिके जोखिम ओ अनुकूलन क्षमताके सूचकांकमे १९२ देशमध्ये नेपाल १३७ औँ स्थानमे बा।

नेपाल पाछेके दुई दशकमे बाढपहिरो तथा हिमताल विस्फोट जैसिन दुई दर्जन अधिक जलजन्य विपत् भोगिसेकल बा। बह्रल जलवायु जोखिम ओ जनधनके क्षतिके कारण नेपालके लाग जलवायु न्यायके माग नैतिक दाबी किल नाइकि आवश्यकताके विषय बनल हो । जलवायु न्याय और नेपालसे डुर समग्र हिन्दुकुश हिमालके फेदीमे आश्रित मानव सभ्यताके अस्तित्वके मुद्दा बन्न जरुरी बा ।

नेपाल जलवायु अनुकूलन, समावेशी शासन, उत्थानशील जीविकोपार्जन, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन तथा अन्तर्राष्ट्रिय जलवायु वित्त परिचालन नीतिमार्फत जलवायुजन्य विपत् सामना करे सेकि । नेपाल सरकारके सम्बन्धित निकायसे राष्ट्रिय अनुकूलन योजना २०२१–२०५० ओ नेपालके तेसर राष्ट्रिय रूपमे निर्धारित योगदान (एनडिसी–३.०) प्राविधिक प्रतिवेदन जैसिन नीतिमार्फत विशेष कैके जोखिममे रहल समूहहे प्राथमिकता डेहे परठ ।

स्थानीय तहसे विकास बजेटमे अनुकूलनके मर्म बुझ्ट स्थानीय अनुकूलन कार्ययोजना ओ विपत् व्यवस्थापन समितिमार्फत प्रतिकार्य सञ्चालन करना आवश्यक बा । साथे जल तथा मौसम विज्ञान विभागलगायत प्राविधिक निकायसे पूर्वसूचना प्रणाली ओ जलविज्ञानसम्बन्धी प्रतिरूपण सुदृढ करे परठ । सरकारसे दक्ष जनशक्ति विकास, भूउपयोग, पूर्वाधार निर्माण, हिमताल ओ वातावरणीय तथ्यांक संकलन तथा विश्लेषणमे क्षमता बहे परठ ।

अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसे 'साझा मने फरक जिम्मेवारी' के सिद्धान्त अनुसार जलवायुसे ढेर प्रभावित देशहे ऋणमे निर्भर करैनाके सट्टा न्यायपूर्ण जलवायु वित्त तथा अनुदानमे पहुँच सुनिश्चित करना आवश्यक बा । हरित जलवायु कोष, बहुपक्षीय तथा निजी वित्तीय संस्थासे नेपाल अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि–पारिस्थितिकी ओ उत्थानशील पूर्वाधारमे लगानी जुटाइ सेकि । प्रमाणमे आधारित कूटनीतिक पैरवीमार्फत उच्च उत्सर्जक तथा निजी क्षेत्रहे जवाफदेही बनैटि नेपालके जलवायु हितमे लगानी प्रवर्धन करे सेकि ।

कोप–२७, कोप–२८, कोप–२९ ओ कोप–३० मार्फत क्षति तथा नोक्सानी सम्बोधन करना वित्तीय व्यवस्था, जलवायु वित्त ओ समावेशी जलवायु कार्यसम्बन्धी महत्वपूर्ण प्रगति हुइल बा । इजिप्टके शर्म अल–शेखमे आयोजित कोप–२७ मे जलवायु परिवर्तनके प्रतिकूल प्रभावसे अत्यधिक जोखिममे रहल विकासशील देशके लाग नयाँ वित्तीय व्यवस्था स्थापना करना ओ क्षति तथा नोक्सानी सम्बोधन करना छुट्टे कोष स्थापना करना ऐतिहासिक निर्णय करल। यिहे नोभेम्बर ९–२०, २०२६ मे टर्कीमे हुइटि रहल कोप–३१ फेन जलवायु अनुकूलन तथा उत्थानशीलता, जलवायु वित्त, हानिनोक्सानी ओ नवीकरणीय ऊर्जाके क्षेत्रमे निर्णय हुइल ओरसे नेपालहे कोप–३१ फेन अर्थपूर्ण बा ।

अनुकूलन वित्तओर, विकासशील देशके लाग सन् २०१९ के प्रतिबद्धतामे सन् २०२५ सम अनुकूलन वित्तहे कम्तीमे दोब्बर बनैना लक्ष्य अनुसार जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय रूपरेखा महासन्धि (युएनएफसिसिसी) से यी विषयमे छुट्टे प्रतिवेदन तयार करले रहे । कोप–२८ के क्रममे जलवायु परिवर्तन, राहत, पुनर्लाभ ओ शान्तिसम्बन्धी युएइ घोषणापत्र आघे सारल, उहिनहे ७४ देश ओ ४० संस्थासे समर्थन करल । कोप–२८ मे लैंगिक उत्तरदायी जलवायु वित्त, लैंगिक समानता, युवा सहभागिता, क्षमता विकास तथा समावेशी जलवायु कार्यसम्बन्धी टमान कार्यक्रम ओ पहलहे फेन आघे बह्रल ।

अजरबैजानके बाकुमे आयोजित कोप–२९ मे विकासशील देशके लाग जलवायु वित्तसम्बन्धी नयाँ सामूहिक परिमाणात्मक लक्ष्य तय करल । यी अन्तर्गत सन् २०३५ सम विकासशील देशहे प्रतिवर्ष कम्तीमे तीन अर्ब अमेरिकी डलर उपलब्ध करैना लक्ष्य रनाके साथे सार्वजनिक तथा निजीलगायत सब स्रोतसे विकासशील देशके लाग जलवायु वित्तहे सन् २०३५ सम प्रतिवर्ष १.३ ट्रिलियन अमेरिकी डलरसम पुगैनान आह्वान करल । यी लक्ष्य हानिनोक्सानी कोष वा अनुकूलनके लाग छुट्टे रकम नैहोके समग्र जलवायु वित्तसम्बन्धी नयाँ सामूहिक परिमाणात्मक लक्ष्य हो ।

पहुँच विस्तारके अवसर

अपन राष्ट्रिय जलवायु प्राथमिकता, वैज्ञानिक प्रमाण तथा जलवायु जोखिमसम्बन्धी आवश्यकता प्रस्तुत करटि नेपाल अइसिन अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय संयन्त्रमे पहुँच विस्तार करे सेक्ना अवसर पैले बा । विशेष कैके नेपाल हिमाली पारिस्थितिक प्रणाली, हिमनदी तथा जलवायुजन्य जोखिमके विषयहे अन्तर्राष्ट्रिय जलवायु वार्तामे निरन्तर उठैटि आइल बा । कोप–३० के क्रममे नेपालसे 'हिमालमे हिमनदी पगलके समुद्रके सतह बह्रनासम' शीर्षकमे अपन विषय प्रस्तुत करले रहैं । सन् २०२५ मे ब्राजिलके बेलेममे आयोजित कोप–३० मे क्षति तथा नोक्सानी कोषसम्बन्धी निर्णय, राष्ट्रिय अनुकूलन योजना ओ लैंगिक कार्ययोजनासम्बन्धी निर्णय करगिल । कोप–३० से हानि *(बाँकी ३ पेजमे)*

सुदूरपश्चिममे कसिन बा अर्नब चक्रवातके प्रभाव ?

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ कार्तिक । बंगालके खाडीमे उत्पन्न 'अर्नब' चक्रवातके प्रभाव सुदूर नेपालमे डेखना सुरु हुइ लगल बा ।

यकर असरसे मध्य ओ पूर्वी नेपालमे ढेर वर्षा हुइना सम्भावना रहलफे सुदूरपश्चिममे तुलनात्मक रूपमे जोखिम कम रहलके जलविज्ञान कार्यालयसे जनैले बा । सुदूरपश्चिमके टमान ठाउँमे शुकसे वर्षा हुइरहल बा ।

जलविज्ञान कार्यालय अत्तरियाके प्रमुख इन्जिनियर सञ्जयकुमार शाहके अनुसार दुई दिन सुदूरपश्चिमके अधिकांश ठाउँमे वर्षा हुइ सेक्ना अनुमान बा। मने, प्रदेशके प्रमुख लडियामे पानीके बहाव उल्लेख्य रूपमे बह्रल सम्भावना नैरहल बाढ जोखिम कम रहल उहाँ बटैलै ।

चक्रवातके प्रभावसे सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्लामे समेत वर्षा हुइ सेक्ना ओ कुछ ठाउँमे आकस्मिक बहावके जोखिम रहे सेक्ना अनुमान करल बा । हिमाली जिल्लामे हिमपातके सम्भावनाफे रहल बा ।

वर्षाके सम्भावनासे धान काटना ओ भित्याइना तयारीमे रहलके किसानहे भर प्रभावित परेसेक्ना डेखल बा ।

मनसुन सेकलपाछे धान भित्याइना चटारोमे रहलके किसानहे मौसमके अवस्थाहे ध्यानमे राखके काम कैना कार्यालयसे आग्रह करल बा ।

शाहसे दुई दिन धान काटना ओ भित्याइना काम नैकरना किसानहे सुझाव डेहल बटै ।

ओसे बीच, जलविज्ञान ओ जलस्रोत अनुसन्धान केन्द्रअन्तर्गतके निकायसे देशके टमान क्षेत्रमे पहिरोके जोखिमसमेत रहल बटैले बटै ।

पूर्वानुमानअनुसार सोम्मारसे क्रमशः बादल हट्टी जाइना ओ वर्षाके सम्भावना घटटी गिल बा ।

धनगढीसे १६ वर्षीय बालक बेपत्ता, खोजी करडेहेक लग परिवारके अपिल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ कार्तिक । कैलालीके धनगढी उपमहानगरपालिका–१२ जुगेडा 'ए' गाउँके १६ वर्षीय नरेश ढाँट बेपत्ता हुइल बटै ।

शुकके मध्याह्नसे परिवारके सम्पर्कमे नैआइलपाछे उहाँके खोजी करडेहेक लग परिवारसे सक्कुसँगे आग्रह करल बा ।

सिद्धार्थ इङ्लिस बोर्डिङ स्कुलमे अध्ययनरत नरेश शुकके मध्याह्नसे सम्पर्कविहीन हुइल उहाँके आमा जमुनादेवी ढाँट बटैलै । आफन्त ओ स्थानीयस्तरमे खोजी करकेफे छोराके अवस्था पत्ता लागे नैसेकल उहाँ बटैलै ।

अटिजम हुइल नरेशहे अपन अवस्था ओ आवश्यकता व्यक्त कैना कठिनाइ हुइल परिवार थप चिन्तित बनल बा । उहाँके खोजीमे सहयोग करडेहेक लग परिवारसे सक्कुमे अपिल करल बा ।

नरेशके खोजी जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसेफे करटीरहल जनैले बा । नरेशहे कतै देखलमे ओ फेला पारल लग्गे प्रहरी कार्यालयमे खबर करडेहेक लग परिवारसे अनुरोध करल बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेक्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वैयोवेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८४८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१९५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०

ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लक्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०

नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२५८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२३२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुद्रायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२५६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ब्रानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७११०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

अर्नब'के प्रभाव: कञ्चनजंघा क्षेत्रमे पर्यटकके यात्रा प्रभावित

पहुरा समाचारदाता

ताप्लेजुङ, १४ कार्तिक । बङ्गालके खाडीमे विकसित चक्रवात 'अर्नब' के कारण हिमाली क्षेत्रके मौसम प्रतिकूल हुइलपाछे कञ्चनजंघा क्षेत्रके भ्रमणमे निक्रल २५० आन्तरिक ओ बाह्य पर्यटक बीचडगरमे रोकल बटै ।

उच्च भेगमे हिमपात ओ तल्लो क्षेत्रमे सिमसिम पानीसँगे चिसो क बहलपाछे बेसक्याम्पओर जाइटी करल ओ औटटी करल पर्यटक गन्तव्यसम पुग्ना नैसेक्के बीचडगरमे पर्ना होटल ओ बस्तीहुकनमे रोकेक परल हो ।

बस्तीहुकनके होटल पर्यटकसे भरल बटै । कञ्चनजङ्गा बेसक्याम्पओर भ्रमणमे गिलके फोटो पत्रकार राजीव लिम्बूके अनुसार घुन्सा क्षेत्रके सक्कु होटल आन्तरिक ओ बाह्य पर्यटकसे खचाखच भरल बटै । उहाँके टोली दुई दिनसे ओहै रोकेक परल बा ।

पदमार्गके परल होटलसमेत पर्यटकसे भरल भ्रमणमे रहल पाँचथरके पत्रकार गिरीराज बाँस्कोटा जानकारी डेलै । उ क्षेत्रमे सिमसिम पानी परटीरहल बा, चिसो बहल बा मने उच्च भेगके डाँडामे हिमपात हुइल बा ।

कञ्चनजङ्गाके उत्तरी आधार शिविरओर जाइना पदमार्गमे पर्ना इटालीटार, लामाटार, अम्जिलेसा, थाङ्गीम, ग्याङला, फले, घुन्सा, खम्बाचेन ओ लोनाकलगायतके बस्ती ओ दक्षिणी आधार शिविरओरके याम्फुदिन, लावा झोरेनी, तोरोड्देन, सेराम ओ राम्जेलगायतके ठाउँमे रहल होटलहुकनमे पर्यटकके चाप बहल बा ।

ओस्टेक करके, लुम्बासुम्बा हुइटी मकालु आधार शिविरओर जाइना विदेशी पर्यटकके टोली ओलाङचुङगोलामे रोकल बा । फक्ताङलुङ गाउँपालिका-७, ओलाङचुङगोलामे रहलके ऐतिहासिक दिकीछ्योर्लिङ गुम्बालगायत क्षेत्रके अध्ययन ओ अनुसन्धानके लग पुगल सराफ फाउन्डेसनके टोलीसँगे रहलके पर्यटन अभियन्ता हेमराज निरौलाके अनुसार स्वदेशी ओ विदेशी करके करिब ६० जाने पर्यटक अब्बे ओलाङचुङगोलामे बटै ओ उहाँहुकन उहे होटलमे बैटल बटै ।

आधाजस्टे लुम्बासुम्बा हुइटी मकालु आधार शिविरओर जाने पर्यटक बटै ।

ओलाङचुङगोला हुइटी सिङ्जेसम पुगल उद्देश्यसे गिल आन्तरिक पर्यटकसमेत मौसम प्रतिकूल हुइलपाछे ओहै रोकल बटै ।

मौसम प्रतिकूल हुइलपाछे सीमा सुरक्षार्थ खटल सशस्त्र प्रहरी ओ स्थानीय वडा कार्यालयलेसे मौसममे सुधार नैआइलसम सुरक्षित स्थानमे रहन सूचना जारी करल बटै ।

प्रमुख जिल्ला अधिकारी उमेशकुमार दाहालसे प्रतिकूल मौसमके कारण जिल्लाके कुछफे विपद्जन्य घटना हुइल नै हो । उहँके अनुसार स्वदेशी ओ विदेशी करके २५० पर्यटक कञ्चनजङ्गा क्षेत्रमे रहल बटै । उहाँहुकन उ क्षेत्रके बस्ती, होटलमे बटै । ओलाङचुङगोला, घुन्सा ओ याम्फुदिनलगायतके क्षेत्रमे पर्यटकके सत्त्या ढेर बा ।

पर्यटकहे सुरक्षित रहन ओ मौसमके अवस्था माजासे बुझके किल यात्रा कैना सचेत करल ओ सुरक्षा निकाय ओ स्थानीय तहसँगे समन्वय करके आवश्यक सतर्कता अपनैना प्रजिअ दाहाल जानकारी डेलै । स्थानीय सर्वसाधारण नागरिकहे समेत सचेत करल उहाँ बटैलै ।

बिफेक दिनभर ताप्लेजुङके आकाश धुम्मल रहे । गिल रातसे वर्षा जारी बा । उच्च क्षेत्रमे हिउँफे परल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

उत्तर कोरियासे पूर्वी समुद्रमे १० ब्यालेस्टिक क्षेप्यास्त्र प्रहार

काठमाडौं, १४ कार्तिक । दक्षिण कोरियासँग तनाव बहल बेला उत्तर कोरिया समुद्रओर करिब १० ठो छोट दूरीके ब्यालेस्टिक क्षेप्यास्त्र प्रहार करले बा । सीमा क्षेत्रमे प्रचार प्रसारण पुनः सुरु करना ओ नयाँ हतियार तैनाथ करना चेतावनी डेहल कुछ दिनपाछे यी प्रक्षेपण हुइल हो ।

दक्षिण कोरियाली सेना पूर्वी तटीय सहर वोनसनसे प्रक्षेपण करल क्षेप्यास्त्र पत्ता लगैना जनाइल बा । सेना निगरानी बह्रैनाके साथे अमेरिका ओ जापानसँग सूचना आदानप्रदान करल बा ।

गैल महिना बारुदी सुरुङ विस्फोटमे दक्षिण कोरियाके तीन सैनिक घाहिल हुइलपाछे दुई कोरियाबीच तनाव थप बहल बा । सियोल सेप्टेम्बर २१ के विस्फोटके लाग उत्तर कोरियाहे दोष डेहल बा । मने, प्योङयाङ अपन संलग्नता अस्वीकार करटि उक्साइल प्रतिकार करना चेतावनी डेले बा ।

गैल साता उत्तर कोरिया दक्षिण कोरियाली सैनिकसे सीमामे बारम्बार चेतावनी गोली चलाइल आरोप लगैटि प्रचार प्रसारण पुनः सुरु करना ओ नयाँ हतियार तैनाथ करना बटैले रहे । दक्षिण कोरिया सम्भावित सैन्य झडप रोकेक लाग सीमाबारे वार्ता करना प्रस्ताव करल फेन उत्तर कोरिया जवाफ डेले नैहो । पाछेक सातामे उत्तर कोरियासे पनडुब्बीसे प्रक्षेपण करल क्रुज क्षेप्यास्त्र ओ हाइपरसोनिक क्षेप्यास्त्रसहित टमान हतियार परीक्षण करल बा । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नेता किम जोङ उनसँग कूटनीतिक संवाद पुनः सुरु करना इच्छा व्यक्त करलपाछे उत्तर कोरिया अमेरिकासे भारी सहुलियत लेना दबाब सिर्जना करे खोजल विज्ञहुकनके कहाइ बा ।

यिहेबीच, किम चीनके सीमावर्ती सहर डान्दोङके भ्रमण करले रहैं । सन् २०११ के अन्त्यमे सत्तामे आइलपाछे उहाँक यी छैटौं चीन भ्रमण हो । कोरियाली युद्धमे चीन उत्तर कोरियाहे डेहल समर्थनके स्मरण करटि उहाँ चीनसँगके 'अजेय' मित्रताहे आघे बह्रैना बटैलैं । चिनियाँ कम्युनिस्ट पार्टीके वरिष्ठ अधिकारी वाङ हुनिङसँगके भेटमे फेन उहाँ द्विपक्षीय सहकार्य विस्तार करना प्रतिबद्धता दोहोऱ्याइलैं ।

युक्रेनविरुद्धके युद्धमे रुसहे सैनिक ओ गोला बारुद उपलब्ध करटि आइल उत्तर कोरिया पाछेक वर्षमे मस्कोसँगके सम्बन्धहे प्राथमिकता डेहल रहे । अब्बे भर किम चीनसँगके सम्बन्ध फेन सुदृढ बनैना पहल करटि बटैं ।

चाडबाडसे बह्रल व्यापार

काठमाडौं, १४ कार्तिक । दसैँतिहारलगायतके चाडबाडसे वस्तु खपत बह्रके मुलुकके अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार अत्यधिक बह्रल बा । भन्सार विभागके अनुसार चाडपर्व लक्षित व्यापारके कारण असोजमे किल करिब साढे दुई खर्ब रुपियाँके वस्तु आयात हुइल बा ।

विभागके अनुसार असोजमे कुल दुई खर्ब ४५ अर्ब रुपियाँसे ढेरके आयात हुइल बा । गैल असोजमे भर एक खर्ब ६२ अर्ब ९२ करोड रुपियाँके वस्तु आयात हुइल रहे । यी हिसाबसे गैल वर्षके असोजके तुलनामे यी वर्ष ६६ प्रतिशत आयात बह्रल तथ्यांक डेखाइठ ।

यीसँगे चालु आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के पहिल तीन महिना (सावन-असोज) मे किल मुलुक छ खर्ब ४६ अर्ब ७८ करोड रुपियाँके वस्तु आयात करले बा । जोन आघेक आवके ओहे अवधिके तुलनामे ३८ प्रतिशत ढेर हो । गैल वर्ष पहिल तीन महिनामे चार खर्ब ६८ अर्ब आठ करोड रुपियाँके वस्तु आयात हुइल रहे ।

बदलल आयात प्रवृत्ति

नेपालमे आयात हुइना वस्तुमे डिजेल, पेट्रोल, ग्यासलगायतके पेट्रोलियम पदार्थके हिस्सा ढेर रनामे यी चो भर यी प्रवृत्ति बदलल बा । विभागके तथ्यांक अनुसार असोजसम सबसे ढेर कच्चा भटमास तेलके आयात हुइल बा । जेकर आयात मूल्य ५२ अर्ब ६० करोड रुपियाँ बा ।

अइसिके आयात हुइना कच्चा भटमास तेल नेपालमे प्रशोधनमार्फत मूल्य अभिवृद्धि कैके भारत निर्यातके पर्याप्त अवसर रहल ओरसे पाछके कुछ वर्षयहोर यकर आयात निरन्तर बह्रल बा । बह्रल मागके कारण यी चो नेपालमे आयात हुइना वस्तुके सूचीमे यी पहिल स्थानमे बा । साफ्टा व्यापार सुविधा अन्तर्गत भारतमे शून्य भन्सारमे निर्यात करे पैना सुविधाके उपयोग करे पाके भारतीय बजारमे बह्रल भटमास तेलके मागके कुछ हिस्सा नेपाल फेन आपूर्ति हुइल हो ।

कच्चा भटमास पाछे नेपाल सबसे ढेर डिजेलके आयात करले बा । ओकर आयात मूल्य ४७ अर्ब ३१ करोड १८ लाख रुपियाँ बा । असोजसम पेट्रोलके कुल आयात २४ अर्ब ६२ करोड रुपियाँ बा । पेट्रोलपाछे २३ अर्ब १८ करोड रुपियाँके एलपी ग्यास ओ ओरकबाद १९ अर्ब ३० करोड रुपियाँके मल आयात हुइल विभागके तथ्यांक बा । उल्लेखित वस्तुपाछे सबसे ढेर आयात हुइना अन्य वस्तुमे स्मार्टफोन, स्पन्ज आइरन, अन्य विद्युतीय सवारी, डिएपी मल, हवाई इन्धनलगायत बा ।

समीक्षा अवधिमे नेपाल सबसे ढेर भारतसे तीन खर्ब ६६ अर्ब ७८ करोड रुपियाँके वस्तु आयात करले बा, जोन कुल वस्तु आयातके आधासे ढेर हिस्सा हो । ओकरपाछे चीनसे एक खर्ब ३४ अर्ब रुपियाँके वस्तु आयात हुइल बा ।

दक्षिण अमेरिकी मुलुक अर्जेन्टिना आयातके हिसाबसे नेपालके तेसर व्यापार साझेदार मुलुक बनल बा । अर्जेन्टिनासे तीन महिनामे नेपाल ३५ अर्ब ६५ करोड रुपियाँके वस्तु आयात करले बा । यहाँसे खास कैके कच्चा भटमास तेल आयात हुइना करल बा । ओकरपाछे साउदी अरेयिबासे ११ अर्ब ५६ करोड ओ ब्राजिलसे अर्ब चार करोड रुपियाँके वस्तु आयात हुइल तथ्यांक बा ।

निर्यातमे उल्लेख्य वृद्धि

वस्तु आयात किल नाइकि नेपालसे हुइना वस्तु निर्यात फेन उल्लेख्य रूपमे बह्रल भन्सार विभागके तथ्यांकसे देखाइठ । तथ्यांक अनुसार तीन महिनामे नेपालसे एक खर्ब १४ अर्ब रुपियाँके वस्तु निर्यात हुइल बा, जोन गैल वर्षके ओहे अवधिके तुलनामे ५७ प्रतिशत ढेर हो ।

जलवायु...

तथा नोक्सानी सम्बोधन कोषसम्बन्धी मार्गदर्शन, राष्ट्रिय अनुकूलन योजनासम्बन्धी निर्णय तथा २०२६-२०३४ के लाग 'बेलेम लैंगिक कार्ययोजना' अपनाइल ।

जलवायु वित्तमे पहुँच विस्तार करना सन्दर्भमे कोप-२७ से बहुपक्षीय विकास बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय संस्थाहे अपन अभ्यास ओ प्राथमिकतामे सुधार कैके विकासशील देशके जलवायु वित्त पहुँचहे सरल बनैना आह्वान करनाके साथे विकसित राष्ट्रहे जलवायु जोखिममे रहल विकासशील देशके लाग वित्तीय प्रतिबद्धता बह्रैना आग्रह करल ।

समग्रमे कोप-२७ से कोप-३० समके निर्णयसे क्षति तथा नोक्सानी, जलवायु वित्त, अनुकूलन, लैंगिक समानता ओ समावेशी जलवायु कार्यसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय संरचनाहे थप विकसित करले बा । यी प्रक्रियासे नेपाल जैसिन जलवायु जोखिममे रहल विकासशील देशहे अपन राष्ट्रिय प्राथमिकता, वैज्ञानिक प्रमाण ओ वित्तीय आवश्यकता अन्तर्राष्ट्रिय जलवायु वार्तामे प्रस्तुत करना अवसर प्रदान करल बा ।

अनुदानहे प्राथमिकता

नेपाल हिमाली भूभाग, हिमनदी तथा पारिस्थितिक प्रणालीमे जलवायु परिवर्तनसे उत्पन्न जोखिमबारे अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमे निरन्तर आवाज उठैटि आइल बा । यिहे क्रममे नेपालहे पहिलचो कोप-जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी संयुक्त राष्ट्रसंघीय रूपरेखा महासन्धि (युएनएफसिसिसी) मे अपन कार्यालयके लाग स्थान प्राप्त हुइल । यी महत्वपूर्ण उपलब्धि हो ।

पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणाबिना क्षतिपूर्ति दाबी आघे बह्रैना नेपालके लाग प्रत्युत्पादक हुइठ । टबेमारे नेपाल आर्थिक तथा गैरआर्थिक क्षतिके वैज्ञानिक प्रमाण, जलवायु परिवर्तन ओ तापक्रम वृद्धिबिचके सम्बन्ध तथा उहिनसे हिउँ पग्लना क्रम ओ हिमताल विस्फोटजन्य बाढ जैसिन विपत् बह्रैना तथ्य प्रमाणित करना आवश्यक बा । अइसिन प्रमाणसे अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमे नेपालके दाबीहे बलगर बनैना बा ।

जलवायु वित्तमे नेपालसे ऋणसे अनुदानहे प्राथमिकता डेहे परठ । कार्बन क्रेडिट वा सीमित आर्थिक सहयोगमे वित्त बुझैनासे जीवाश्म इन्धनसे हुइना उत्सर्जनप्रति उच्च उत्सर्जक राष्ट्रहे जवाफदेही बनैना ओ वास्तविक उत्सर्जन न्यूनीकरणके माग करे परठ । नेपाल अपन दाबीहे अन्तर्राष्ट्रिय कानुन, जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी न्यायालयके राय, सीमापार क्षति रोक्न दायित्व तथा मानव अधिकारसम्बन्धी कानुनी आधारसँग जोरे परठ । साथे छोट टापु विकासशील राष्ट्र, हिमाली देश तथा ग्लोबल साउथके साझेदारसँग सहकार्य कैके सामूहिक कूटनीतिक क्षमता बह्रैना आवश्यक बा । सरकारसे कार्बन बजार ओ कार्बन क्रेडिटके नाममे हुइना 'हरित भ्रामक प्रचार' से फेन सावधान रहे परठ ।

राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय कानुनी आधार, वैज्ञानिक प्रमाण ओ सरोकारवालाबिचके आन्तरिक सहमतिसे जलवायु न्यायके लाग नेपालके आवाज बलगर हुइल बा ।

जलवायु परिवर्तनके कारण नेपालसे दिगो विकासके लक्ष्य प्राप्त करे सेक्ना अवस्थामे नेपालसे वैज्ञानिक प्रमाण प्रस्तुत करटि जलवायु न्यायके लाग अपन सशक्त आवाज उठैना जरुरी बा । उत्सर्जनमे भारी हिस्सा ओगट्न छिमेकीहे अपन उत्सर्जनप्रति जवाफदेही करैना नेपाल छोटओट उपलब्धिके जगेर्ना कैके जलवायु न्यायके लाग कूटनीतिक रणनीति विकास करना आवश्यक बा ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

महाकाली कोरिडोर : सडक हेरटहेरट ओरागिल गाउँ

पहुरा समाचारदाता

बैतडी, १४ कार्तिक । महाकाली कोरिडोरसे छुवल बैतडीके दशरथ चन्द नगरपालिकाके बाराकोट, बुङ्गा ओ गाँजरीगाउँ अचेल सुनसान डेखल बा रु। गाउँके कतिपय घरमे ताला अँत्काइल बटै रु। ढोकाके सँघारमे झार उम्रे लगल बा ।

कुछ बेला इ गाउँमे महाकाली कोरिडोरके चर्चा चल्टी स्थानीयके आँखामे सडकके सुन्दर सपना रहे । कोरिडोर निर्माण हुइल गाउँमे रोजगारी ओ व्यापारके अवसर भिटरे बटै , ओ दु:खके दिन सेकी मने कोरिडोरके आशामे डेढ दशक बिटाइल स्थानीय गाउँ छोडके रोजगारी ओ अवसरके खोजीमे बसाइँ सर्न बाध्य हुइल बटै ।

“डगर बन्नी ओ गाउँमे कुछ करबी कना आसैआसमे उमेर बितगिल इ ,” स्थानीय रमेशप्रसाद भट्ट गुनासो करटी कहलै, “ न सडक समयमे बनल, न ते गाउँमे बैठना परिस्थिति नै रहल रु। हेरटीहेरटी हमार गाउँ बसाइँसराइसे ओराइ लगल ।”

आशामे बिटल सत्र वर्ष

सुदूरपश्चिमके आर्थिक समृद्धिके लाइफलाइन मानलके महाकाली कोरिडोर (ब्रह्मदेव-भुलाघाट-दार्चुला-तिङ्कर सडक) आयोजना विसं २०६६ सालमे दार्चुला-तिङ्कर सडकके नामसे सुरु हुइल रहे । विसं २०७७ सालमे कञ्चनपुरके ब्रह्मदेव खण्ड जोरलपाछे यिहीनहे महाकाली कोरिडोर’ नामकरण करलै ।

सरकारके लक्ष्य २०८१ भिटर इ आयोजना सम्पन्न कैना रहे मने २०८३ के आधाआधी पुगेसेकलमेफे सडक अधुरै बा । आयोजनाके सूचना अधिकारी दिनेश रैखोलाके अनुसार सडकके ट्र्याक खोल्नके लग किल हालसम सवा चार अर्ब रुपयाँ खर्च हुइसेकल बा मने कोरिडोरहे सम्पन्न कैना झन १८ अर्ब रुपयाँ लाग्ना अनुमान करल बा ।

न्यून बजेट ओ ठेकेदारके लापर्बाहीसे इ राष्ट्रिय गौरवके आयोजना सुस्त बनल बा रु। चालु आर्थिक वर्षमे सरकारसे इ बृहत् आयोजनाके लग जम्मा ४९ करोड रुपयाँ किल बजेट विनियोजन करल बा । विडम्बना का बा भर, वर्षके चौथो महिना बितें लागलफे अब्बेसम लावा ठेक्का (टेन्डर) समेत आह्वान हुइसेकल नै हो। पुराना ठेकेदारसे काममे लापर्बाही करल सूचना अधिकारी रैखोला बटैलै ।

बरबर भूगोल झन चुनौती

महाकाली कोरिडोरसे सुदूरपश्चिम प्रदेशके चार ठो प्रमुख जिल्ला कञ्चनपुर, डडेलधुरा, बैतडी ओ दार्चुलाहे जोरटी नेपाल ओ चीनके ताक्लाकोट सीमामे रहल पिल्लर नं. १ सम पुग्ना लक्ष्य राखल बा । कुल ४१३ किलोमिटर लाम्बा इ सडकमध्ये ३३४ किलोमिटर खण्ड सङ्घीय सडक सुपरीवेक्षण ओ अनुगमन आयोजना कार्यालयसे निर्माण करटीरहल बा , उ मध्ये २८१ किलोमिटरके ट्र्याक खुला हुइल बा ।

इ कोरिडोरसे सबसे ढेर भूगोल बैतडी जिल्लामे ओगटले बा । कुल १४४ किलोमिटर बैतडीमे ट्र्याक खोल्ना काम सेकलफे दशरथ चन्द नगरपालिकाके कन्सनीगाड ओ पञ्चेश्वरके बट्टा भिरके अँखर चट्टान फुटाइना बाँकी बा रु। विस्फोटक पदार्थके अभाव ओ भौगोलिक कठिनाइके कारण इ भिरमे काम रोकल बा ।

औरेओर, दार्चुलाके तुसारपानीसे तिङ्करसमके ७९ किलोमिटर अत्यन्त कठिन ओ चट्टानी भाग निर्माणके जिम्मा नेपाली सेनाहे डेहल बा। सेनासे छाङरुमा एक्साभेटर पुगाके हालसम २० किलोमिटरसे ढेर सडक कोरसेकल बा रु। सेनाके काममे गति डेखलफे बजेटके अभाव ओ सङ्घीय आयोजनाके सुस्ततासे समग्र कोरिडोर अलपत्र परल बा ।

विकासके कोसेढुङ्गा इ सडक कञ्चनपुरके ब्रह्मदेवसे दार्चुलाके व्यास गाउँपालिकाके तिङ्कर नाकासमके दर्जनौँ गाउँपालिका ओ नगरपालिकाके भाग्य ओ भविष्य जोरल मार्ग हो ।

महाकाली कोरिडोर पूर्ण रूपमे निर्माण हुइल नेपाल, भारत ओ चीनबिचके त्रिदेशीय व्यापारमे क्रान्ति आइना अपेक्षा करल बा रु। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कैलास मानसरोवर भ्रमणके लग इ सबसे छोट ओ उपयुक्त मार्ग बन्ना बा रु। व्यापारिक ओ पर्यटकीय दृष्टिसे इ सुदूरपश्चिमके आर्थिक रूपान्तरणके कोसेढुङ्गौ हुइल नागरिक अगुवा कर्णदयाल सोराडी बटैलै ।

मने नीतिगत ढिलासुस्ती ओ न्यून बजेटसे इ सुन्दर सम्भावनाहे थिचल सोराडीके गुनासो बा । जबसम सरकारसे यिहीहे प्राथमिकतामे राखके पर्याप्त बजेट ओ अँखर अनुगमन नैकरलसम महाकालीमे सडकके सपना अधुरै रहल उहाँके कहाइ बा ।

सडक आइना आसमे बैठलके गाउँ रोजगारी ओ शिक्षाके खोजीमे सहर ओ तराईओर बसाइँ सरके कोरिडोरआसपासके बस्ती ओराइट गिलके दशरथ चन्द नगरपालिका-६, थाँचौर गाउँके स्थानीयवासी खगेन्द्रराज पन्त बटैलै ।

मनास्लुके स्याउ गोदाममे थन्कल

पहुरा समाचारदाता

गोरखा, १४ कार्तिक । बुढीगण्डकी बाढसे पुल ओ डगर पुहलओरसे उत्तरी गोरखाके मनास्लु क्षेत्रमे उत्पादन हुइल स्याउ गोदाममे बा। ढुवानीके विकल्प नैरहल ओरसे गोदाममे स्याउ ढरना बाध्यता रहल व्यवसायी लाक्पा डुन्डुप लामा गुनासो करलैं ।

गैल असोस २५ गते चुमनुब्री गाउँपालिका-६ मे हिमपहिरोसे उङ्गिलुङ खोला थुनलपाछे आइल बाढसे बुढीगण्डकी नदी किनारमे अवस्थित तल्ला तटीय क्षेत्रके दर्जनौँ पुल तथा सडक डगर बहल बा । जेकर कारण आवतजावतमे समस्या हुइल हो । बाढसे उत्तरी गोरखाके लाइफलाइनके रुपमे लेहल बेनिघाट आरुघाट लार्के सडक फेन अवरुद्ध बनल बा । चुमनुब्री गाउँपालिकाके सिर्दिबाससे आरुघाटके आखेंतसम सडक अवरुद्ध बनल रहे ।

गाउँपालिका ओ गोरखा सडक आयोजनाके पहलमे अस्थायी रुपमे सडक खुलैना काम हुइलिसे फेन स्याउ ढुवानी करे सेक्ना अवस्था भर नैरहल व्यवसायी लाक्पा डुन्डुप बटैलैं । उहाँ कलैं, “गाउँपालिका मनै नेंग्ना डगर टे बनैले बा, मने खच्चड नेंगाइ नैसेक्जाइठ। खच्चडमे स्याउ ढुवानी करना टे सम्भावना नैहो ।”लम्मा चुमनुब्री गाउँपालिका-४ नाम्रुङस्थित दुई हजार ६५० मिटर उचाइमे अवस्थित बगैँचामे टमान प्रजातिके स्याउखेती करले बटैं । इन गोरखा प्रोडक्ट प्रालि नामक उहाँक स्याउ फर्ममे यी वर्ष एकलाख केजी स्याउ उत्पादन हुइल उहाँ बटैलैं ।

गाला, गोल्डेन, रेड डिलिसियस, किङ डेलिसियस ओ फुजी जातके १२ हजार ५०० बोटमे यीवर्ष एकलाख केजी स्याउ उत्पादन हुइल लामाके कहाइ बा । “फुजी कुछ टुरना बाँकी बा, उ बाहेक सब स्याउ पुरसेक्लि । गाला ओ गोल्डेन डिलिसियस टुरल एकमहिना हुइल । अब्बे बिग्रे लागल,” उहाँ कलैं, “भदौ २१ गते गैल थेराङ खोलाके बाढसे लघु जलविद्युत् आयोजना बहाके विद्युत् नैहोके ड्रायर फेन चलल नैहो। टबेमारे स्याउके सुकुटी फेन बनाइ नैमिलल ।” यी वर्ष स्याउके उत्पादन मजा हुइलेसे फेन ढुवानीके समस्याके कारण लाखौँ किलो स्याउ खेरजैना अवस्था रहल उहाँ गुनासो करलैं ।

मनास्लु क्षेत्रमे उत्पादन हुइल स्याउ ढुवानीके समस्या हरेक वर्षके हो । मने, यी वर्ष बाढसे ढुवानीके समस्याहे थप चर्को बनैले बा । नाम्रुङ ओ आसपासके क्षेत्रमे उत्पादन हुइल स्याउ खच्चडमार्फत बजारसम पुगैना करिब एकहप्ता लागठ ।

कञ्चनपुरमे धान उत्पादनमे वृद्धि हुइना प्रक्षेपण

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १४ कार्तिक । कञ्चनपुर मे इ बरस धान उत्पादनमे वृद्धि हुइना प्रक्षेपण करल बा ।

कृषि ज्ञान केन्द्रके सूचना अधिकारी धर्मबहादुर साउँद इ बरस कञ्चनपुरमे १ दशमलव १९ प्रतिशतसे धान उत्पादनमे वृद्धि हुइल जानकारी डेलै। गैल बरस धानके उत्पादकत्व ० दशमलव २ से बह्रल रहे । गैल बरस धानके उत्पादकत्व ४ दशमलव २ प्रति हेक्टर रहलमे इ बरस उत्पादकत्व वृद्धि होके ४ दशमलव २५ पुगल उहाँ बटैलै । “जिल्लामे धानके उत्पादकत्वमे वृद्धि हुँइटी गैल बा ।” सूचना अधिकारी साउँद कहलै, “इ बरस मौसम अनुकुल हुइना, उन्नत जातके बीउ बिजन ओ सिँचाइ सुविधाके कारण उत्पादनमे वृद्धि हुइल हो ।” ओहकान अनुसार इ बरस दुई लाख छ हजार १०८ मेट्रिकटन धान उत्पादन हुइल बा। गैल बरस दुई लाख तीन हजार ६८३ मेट्रिकटन धान उत्पादन हुइल रहे । ओकरपाछे कञ्चनपुरमे धानके उत्पादन एक लाख ९३ हजार ९८४ मेट्रिकटन रहल रहे। कञ्चनपुरमे ४८ हजार ४९६ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान खेती हुइना करल बा ।

केन्द्रसे हरेक बरस सिँचाइ सुविधा विस्तार कैटी गैलेसे फेन उत्पादनमे वृद्धि हुइल उहाँके कहाइ रहल बा । “ज्ञान केन्द्रसे हरेक बरस किसानके लाग उन्नत जाँतके बीउ अनुदानमे उपलब्ध हुइटी आइल बा ।” उहाँ कहलै, “सिञ्चित क्षेत्र फेन हरेक बरस विस्तार हुइटी गैल बा ।” ओहकान अनुसार ज्ञान केन्द्रसे किसानके लाग हरेक बरस साना सिँचाइ (ट्युबेल) जडान कैके सिँचाइ सुविधा उपलब्ध करैटी आइल बटैलै । “गैल बरस जिल्लामे किसानहे ७५० बोरिङ उपलब्ध कराइमे इ बरस ४९५ बोरिङ सिँचाइके लाग उपलब्ध बा।” साउँद कहलै, “जेकर कारण यहाँ धान उत्पादनमे वृद्धि हुइटी गैल बा।” उहाँ आधुकि कृषि यन्त्रके कारण फेन उत्पादनमे वृद्धि हुइल बटैलै । ज्ञान केन्द्रसे किसानहे पचास प्रतिशत अनुदानमे बीउ बिजन ओ साना सिँचाइ (ट्युबेल) उपलब्ध करैटी आइल बटी ।

पाछक समय कृषिमे प्रयोग हुइना कृषि उपकरण ओ उन्नत बीउके उपलब्धतासे खेती कैना सहज हुइल किसान बटैठै ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

स्वच्छ शहर: स्वस्थ शहर

- धुवाँ बढी फाल्ने सवारी साधनको प्रयोग नगरौं,
- ध्वनी र वायु प्रदुषण कम गरौं,
- समय समयमा सवारी साधनको मर्मत सम्भार गरौं,
- तोकिएको स्थानमा मात्र फोहोर फालौं,

- सार्वजनिक स्थलका बोटविरुवाहरुको संरक्षण गरौं,
- सडकको नियमित मर्मत गरौं,
- सडकमा निर्माण सामग्री नराखौं ।

शहरलाई सफा राखौं: सुन्दर बनाऔं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)
मो. ९८५८४२३९१२,